

ये पिढाखीन अधिकारी जवकारा में होने
आइए) उताक २३/३/२३ से

पैरा ही

२३/३/२३

पत्रायली पेशा हुई। यदि एकीम अनु. वादी स्वयं
अनु. वादी नहीं और वादी ही - मायालय समय
में एक-एक कर तीन बार आवाज लगाई गई।
न ही वादी पकीय उप. न ही वादी उप. आ: पत्रायली
अपम पेशी। अपम हाजरी में शवादिज की जाती है।
पत्रायली कुल सुभार होकर काश्चित्य पफतर है।
सेख्या से कम हो।